POLITICAL SCIENCE Dep.
BA-2 (H), Paper-4

Dr. HUSNA ARA
Asst-Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur
Samastipur

कार्यपालिका

कार्यपालिका सरकार का वह अंग है जो व्यवस्थापिका द्वारा बनाए गए कानूनों को लागू करता है। कार्यपालिका भी सरकार का महत्वपूर्ण अंग है। गिलक्राइस्ट के अनुसार "कार्यपालिका सरकार का वह अंग है जो कानून के रूप में पारित जनता की इच्छा को कार्य में परिणत करती है।" देश के प्रशासन में सम्मिलित सभी पदाधिकारी कार्यपालिका के अंतर्गत आते हैं। राजनीतिशास्त्र के अंतर्गत कार्यपालिका का अर्थ राज्य के प्रधान, प्रधानमंत्री, मंत्रिमंडल, विभागों के प्रधान आदि से लिया जाता है।

कार्यपालिका के प्रकार -

① राजनीतिक और स्थायी कार्यपालिका -

इस प्रकार की कार्यपालिका में जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि और प्रशिक्षित स्थायी प्रशासक मिल-जुलकर काम करते हैं। इसमें से प्रथम को राजनीतिक कार्यकारी कहते हैं और द्वितीय को स्थायी कार्यकारी कहते हैं।

Scanned with CamScanner

(2) नाममात्र की एवं वास्तविक कार्यपालिका -

नाममात्र की कार्यपालिका वह है जिसके हाथ में वास्तविक शक्तियां नहीं होतीं। वास्तविक शक्तियों का प्रयोग वास्तविक कार्यपालिका द्वारा किया जाता है। जैसे इंग्लैंड का सम्राट नाममात्र की कार्यपालिका है एवं अमेरिका का राष्ट्रपति वास्तविक कार्यपालिका है।

(3) एकल और बहुल कार्यपालिका -

कार्यपालिका की पूरी शक्ति अंतिम रूप में एक ही व्यक्ति में निहित हो तो उसे एकल कार्यपालिका कहते हैं। जब कार्यपालिका की पूरी शक्ति एक व्यक्ति में निहित न होकर एक समिति में निहित हो तो उसे बहुल कार्यपालिका कहते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति एकल कार्यपालिका का उदाहरण है एवं स्विस संघीय परिषद् बहुल कार्यपालिका का उदाहरण है।

(4) वंशानुगत एवं निर्वाचित कार्यपालिका -

यदि राज्य का प्रमुख वंशानुगत ढंग से सत्ता प्राप्त करता है तो उसे वंशानुगत कार्यपालिका कहते हैं। यदि जनता द्वारा कार्यपालिका के प्रमुख का निर्वाचन प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में होता है तो उसे निर्वाचित कार्यपालिका कहते हैं।

Shusma Abra
Asst. Professor

Scanned with CamScanner